FACT

प्रगति के पथप्रदर्शक
PIONEERS IN PROGRESS

राष्ट्रवाणी

राजभाषा गृह पत्रिका

अंक 1 मार्च 2023

75
YEARS IN
FERTILISER PRODUCTION
SINCE 1947

G20 भारत 2023 INDIA

आज़ादी का अमृत महोत्सव

FACT
प्रगति के पथप्रदर्शक
PIONEERS IN PROGRESS

विषय-सूची

शीर्षक	पेज सं
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय का संदेश	03
माननीय गृह मंत्री जी का हिंदी दिवस पर संदेश	04-06
संपादकीय समिति और संपादक का संदेश	07
राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक	08
गणतंत्र दिवस समारोह 2023	09
संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप - समिति का निरीक्षण	10-11
हिंदी पखवाड़ा समारोह 2022	12
राजभाषा संगोष्ठी	13-14
कवि सम्मेलन	15
हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह 2022	16-17
संयुक्त हिंदी पखवाड़ा 2021 का समापन समारोह	18-19
विश्व हिंदी दिवस समारोह 2023	20-21
विपणन संभाग द्वारा आयोजित विश्व हिंदी दिवस समारोह	22-23
कविताएँ	24-25
पर्यावरण हितैषी जीवनशैली	26
हिंदी के प्रमुख कवि	27
एफ ए सी टी के लिए सुरक्षा पुरस्कार	28-29
बैंगलुरू कार्यालय में हिंदी दिवस समारोह	30
फेक्ट में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस	31
स्वतंत्रता दिवस समारोह 2022	32-33
फेक्ट के उर्वरक उत्पादन का 75 वर्ष	34-36
राजभाषा निर्देशिका	37
क्या करें /क्या न करें	38-39
फेक्ट द्वारा निर्मित अमोनिया कार्गो पोत	40
आठवी अनुसूची में शामिल भाषाएँ	41
फेक्ट के कोचीन संभाग में एन पी के संयंत्र का निर्माण	42
फेक्ट के कोचीन संभाग में अमोनिया भंडारण टैंक का निर्माण	43
असंभव कुछ भी नहीं	44
हमारी कुलुक्कुमलै, मुन्नार की यात्रा	45
नेमी कार्यालय टिप्पणियाँ	46
मंत्री एवं सचिव जी का स्वागत	47

संदेश

प्रिय साथियों....

मुझे बेहद खुशी है कि हम एफ ए सी टी की राजभाषा गृह पत्रिका का प्रथम अंक मार्च-2023 आपके सम्मुख प्रस्तुत कर रहे हैं। राजभाषा गृह पत्रिका के प्रकाशन का मुख्य उद्देश्य संस्थान के सभी कर्मियों में राजभाषा हिंदी के प्रति उत्साहपूर्ण वातावरण तैयार करना है क्योंकि संस्थान में राजभाषा हिंदी का प्रयोग प्रशासनिक एवं तकनीकी स्तर पर किया जा रहा है अर्थात प्रबंधन वर्ग के लगभग सभी अधिकारी/कर्मचारी राजभाषा हिंदी में कार्य कर रहे हैं। मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि इस दिशा में कंपनी का हिंदी विभाग निरंतर कार्यरत है।

मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि एफ ए सी टी सफलता की राह पर चल रहा है हमने वित्त वर्ष 2022-23 की पहली छमाही के दौरान 281.59 करोड़ रुपये का सर्वकालिक उच्च लाभ प्राप्त किया है। हमने इसी अवधि के दौरान 3275 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड कारोबार भी हासिल किया है। हमारी कंपनी ने वित्त वर्ष 2022-23 की दूसरी तिमाही में 144.60 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया और टर्नओवर 1960.36 करोड़ रुपये था। हमारी कंपनी संयंत्रों के सतत संचालन के लिए सभी उपाय कर रही है और हमारे किसानों की जरूरतों को पूरा करने में देश के साथ खड़ी है।

एफ ए सी टी के कर्मचारियों के समर्पित और अथक प्रयास कंपनी की असली ताकत हैं। आपके प्रतिबद्ध प्रयासों को देखते हुए लंबे समय से प्रतीक्षित वेतन संशोधन को भारत सरकार ने आखिरकार मंजूरी दे दी है। यह वास्तव में एफ ए सी टी के लिए गर्व का क्षण है और मुझे यकीन है कि इससे सभी कर्मचारियों को लाभ होगा और एफ ए सी टी को और अधिक ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रेरणा के रूप में कार्य करेगा। एफ ए सी टी ने उर्वरक उत्पादन और राष्ट्र की सेवा के 75 वर्ष पूरे कर लिए हैं। मैं जानता हूं कि आपने बीते साल के हर दिन साहस और आत्मविश्वास के साथ सामना किया है और हर चुनौती को अवसर में बदला है। मेरी कामना है कि आने वाले वर्ष में भी आप और अधिक जोश और शक्ति के साथ असंभव को संभव करने का कार्य करें।

कंपनी के प्रगति में भाषा का अमुल्य योगदान है। राजभाषा हिंदी हो या आम बोल चाल की भाषा हो, हिंदी भाषा सदैव एक दूसरे को जोड़ने का प्रयास करती है। हमारी कंपनी के राजभाषा कार्यान्वयन हेतु सदैव कोच्ची टोलिक और मंत्रालय द्वारा सराहा गया है। यह सफलता आपसब के प्रयासो से संभव हुआ है। मैं चाहता हूँ आगे भी हिंदी की निरंतरता बनाए रखें।

मैं राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सभी सदस्यों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रबंधन के प्रति आभार प्रकट करता हूँ, जिन्होनें इस पत्रिका के प्रकाशित होने के लिए अपना बहुमुल्य योगदान दिया है।

मैं आशा करता हूँ कि आगे भी पत्रिका के प्रकाशित होने वाले सभी भावी अंकों में अपना पूर्ण सहयोग देंगे। हमारी गृह पत्रिका राष्ट्रवाणी की सफलता के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

हिंदी की सेवा में
जय हिंद
किशोर रुंगटा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

FACT
प्रगति के पथप्रदर्शक
PIONEERS IN PROGRESS

अमित शाह
गृह और सहकारिता मंत्री
भारत सरकार
AMIT SHAH
HOME AND COOPERATION MINISTER
GOVERNMENT OF INDIA

सत्यमेव जयते

हिंदी दिवस 2022 के अवसर पर माननीय गृह मंत्री जी का संदेश

प्रिय देशवासियो !

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर मेरी आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं ।

हमारा देश दुनिया भर में सांस्कृतिक और भाषाई दृष्टि से बहुत समृद्ध है। देश की भाषाई संपन्नता को ध्यान में रखते हुए संविधान निर्माताओं ने भारत के संविधान में भाषाओं के लिए अलग से प्रावधान किया जिसमें प्रारंभ में 14 भाषाएं रखी गयी थीं और अब इस आठवीं अनुसूची में कुल 22 भाषाएं सम्मिलित हैं । भारत की सभी भाषाएं महत्वपूर्ण हैं। उनका अपना-अपना समृद्ध इतिहास है। विभिन्न भारतीय भाषाओं के साथ समन्वय स्थापित करते हुए हिंदी ने जनमानस के मन में एक विशेष स्थान भी प्राप्त किया है । यही कारण है कि आज़ादी के आंदोलन में अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने, महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, विनोबा भावे, आचार्य कृपलानी, काका साहेब कालेलकर, जवाहरलाल नेहरू, इन सभी ने हिंदी को संपर्क भाषा बनाकर आंदोलन की गति को बढ़ाने का प्रयास किया। 'स्वराज' प्राप्ति के हमारे स्वतंत्रता आंदोलन में स्वभाषा का आन्दोलन निहित ही था। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद 343 द्वारा संघ की राजभाषा हिंदी और देवनागरी लिपि को अपनाया । संविधान के अनुच्छेद 351 में हिंदी भाषा के विकास के लिए हमें निदेश भी संविधान ने किया है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रेरणादायक नेतृत्व में आज जब पूरा देश आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहा है और प्रत्येक क्षेत्र में हम नई ऊर्जा के साथ नये संकल्प ले रहे हैं, ऐसे में यह सामूहिक प्रयास होना चाहिए कि राजभाषा हिंदी को लेकर संविधान द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को हम प्राप्त करें।

किसी लोकतांत्रिक देश में सरकारी कामकाज की भाषा तभी सार्थक भूमिका अदा कर सकती है जब देश के जन सामान्य से वो जुड़ी हो और जितने भी निर्णय लिए जाते हैं, जितनी भी नीतियाँ बनती हैं वो तभी लोकभोग्य हो सकती हैं, जब वो स्थानीय लोगों की भाषा में हों। इसी के साथ-साथ हिंदी की इन्हीं विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए 14 सितंबर 1949 के दिन हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया । इसके साथ ही राजभाषा हिंदी में आवश्यकता के अनुसार शब्दावली निर्माण, वर्तनी के मानकीकरण किए गए और सरकारी कार्यों में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए प्रेरणा और प्रोत्साहन की नीति अपनाई गई। राजभाषा की इस विकास यात्रा में हमने कई पड़ाव पर कर लिए हैं लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष है। विगत तीन वर्षों से प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में सरकारी काम-काज में हिंदी का प्रयोग अधिक हो इसके लिए गृह मंत्रालय का राजभाषा विभाग निरंतर प्रयासरत है जिससे विभिन्न मंत्रालयों / विभागों में हिंदी का काम-काज तेजी से बढ़ा है। मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि वर्तमान में गृह मंत्रालय में ज्यादातर कार्य हिंदी में किया जाता है तथा कई अन्य मंत्रालयों में भी माननीय मंत्रियों ने भी अपना अधिकांश कार्य राजभाषा हिंदी में करना शुरु किया है।

राजभाषा कार्यान्वयन की गति तीव्र करने और समय समय पर किए गए कार्यों की समीक्षा हेतु मई, 2019 में नई सरकार के गठन के पश्चात 57 मंत्रालयों में से 53 मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समितियों का गठन किया गया है तथा इनकी निरंतर बैठकें आयोजित की जा रही हैं। देश भर में विभिन्न शहरों में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ाने की दृष्टि

से अब तक कुल 527 नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया जा चुका है। विदेश में लंदन, सिंगापुर, फिजी, दुबई और पोर्ट लुई में भी नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया है। राजभाषा कार्यान्वयन को और मजबूत करने की दिशा में संसदीय राजभाषा समिति अपनी सिफारिशों के ग्यारह खंड माननीय राष्ट्रपति जी को प्रस्तुत कर चुकी है।

राजभाषा विभाग द्वारा 13-14 नवंबर, 2021 को बनारस में पहला अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन तथा नई दिल्ली में केंद्रीय सचिवालय राजभाषा सेवा संवर्ग के अधिकारियों के लिए पहला तकनीकी सम्मेलन आयोजित किया गया। इन कार्यक्रमों से हिंदी प्रेमियों में उत्साह की अपार वृद्धि हुई है। यह और भी सुखद है कि हिंदी दिवस-2022 तथा द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का ऐतिहासिक आयोजन गुजरात के सूरत शहर में हो रहा है।

गृह मंत्रालय का राजभाषा विभाग सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग की दिशा में निरंतर प्रयत्नशील है। राजभाषा विभाग ने स्मृति आधारित अनुवाद प्रणाली 'कंठस्थ' का निर्माण और विकास किया है जिसमें लगभग 22 लाख वाक्य शामिल किए जा चुके हैं। इस टूल का प्रयोग सुनिश्चित कर सरकारी कार्यालयों में अनुवाद की गति एवं गुणवत्ता बढ़ाई गई है। राजभाषा विभाग द्वारा जन-साधारण के लिए 'लीला हिंदी प्रवाह' मोबाइल ऐप तैयार किया गया है जिसे अपनाकर 14 विभिन्न भाषा-भाषी अपनी-अपनी मातृभाषाओं से निःशुल्क हिंदी सीख सकते हैं। राजभाषा विभाग के 'ई- महाशब्दकोश' में 90 हज़ार शब्द सम्मिलित किये गए हैं और 'ई-सरल' हिंदी वाक्यकोश में 9 हज़ार वाक्य शामिल हैं।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश को नई शिक्षा नीति मिली जिसमें मातृभाषा में शिक्षा देने को प्राथमिकता दी जा रही है । राजभाषा विभाग ने अमृत महोत्सव के अवसर पर विधि, तकनीकी, स्वास्थ्य, पत्रकारिता तथा व्यवसाय में भारतीय भाषाओं के प्रचलित शब्दों को शामिल करते हुए हिंदी से हिंदी 'बृहत शब्दकोश' के निर्माण पर भी काम शुरू किया है और सुलभ संदर्भ के लिए एक अच्छे शब्दकोश का सृजन किया जा रहा है। इस तरह की उन्नत शब्दावली प्रशिक्षण, अनुवाद तथा शीघ्रता से ग्रहण करने में भाषा की जानकारी की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण होगी।

हजारों वर्षों से भारतीय सभ्यता की अविरल धारा हमारी भाषाओं, संस्कृति और लोकजीवन में सुरक्षित रही है। भारत में स्थानीय भाषाओं का योगदान हमारी संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए अतुलनीय रहा है। इन भाषाओं ने हिंदी को समृद्ध किया है। हिंदी उन समस्त भारतीय भाषाओं की मूल परंपरा से है जो इस देश की मिट्टी से उपजी हैं, यहीं पुष्पित और पल्लवित हुई हैं और जिन्होंने अपनी शब्द-संपदा, भाव संपदा, रूप, शैली और अपने पदों से हिंदी को लगातार समृद्ध किया है। राजभाषा हिंदी किसी भी भारतीय भाषा की प्रतिस्पर्धी नहीं हैं बल्कि उसकी सखी है और हमारी सभी भाषाओँ का विकास एक दूसरे के परस्पर सहयोग से ही संभव है।

प्रिय देशवासियो ! हिंदी दिवस के इस अवसर पर मैं आप सभी का आह्वान करता हूँ कि आप और हम मिलकर यह संकल्प लें कि अपनी भाषाओं पर गर्व की अनुभूति हम करेंगे। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी देश-विदेश के मंचों पर हिंदी में उद्बोधन देते हैं जिससे सभी हिंदी प्रेमियों में उत्साह का संचार होता है। आज़ादी के 75 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं और माननीय प्रधानमंत्री जी के प्रतिभाशाली नेतृत्व में आने वाले 25 वर्षों को देश में अमृतकाल के रूप में मनाया जा रहा है। ऐसे में भाषाई समरसता को ध्यान में रखते हुए हिंदी तथा हमारी सभी भारतीय भाषाओं का विकास अत्यंत आवश्यक है।

आइये, आज संकल्प लें कि दैनिक कार्यों में, कार्यालय के कामकाज में अधिक से अधिक काम हिंदी तथा स्थानीय भाषाओं में करकर दूसरों के लिए भी अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करें और हमारी युवा पीढ़ी को भी इस रास्ते पर ले जाएं।

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को पुनः मेरी हार्दिक शुभकामनाएं ।

जय हिन्द!

नई दिल्ली
14 सितंबर, 2022

आज़ादी का अमृत महोत्सव

(अमित शाह)

संपादकीय समिति

प्रबंधन

हिंदी विभाग

प्रबंध संपादक

डॉ बाबु जोस, महाप्रबंधक (ओ पी)/सी डी)

मुख्य संपादक

श्री जीतेंद्र कुमार, उप महाप्रबंधक (विप) उर्व

संपादक

मेजर राशिद बिन ईस्माइल, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)

संपादकीय सदस्य

श्री प्रशांत कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक (विद्युत)/यू सी - सदस्य
डॉ रेखा श्री, वरिष्ठ प्रबंधक (आर एवं डी) - सदस्य
श्री दीपक टी पी, उप प्रबंधक (मा सं) -सदस्य
श्री जगन पी बाबु, सहायक प्रबंधक (मेक)/फिऊ - सदस्य

संपादकीय कार्यालय

दि फर्टिलाइज़र्स एण्ड केमिकल्स ट्रावनकोर लिमिटेड
उद्योगमंडल - 683 501, कोच्ची, केरल, भारत
ई-मेलः hindi@factltd.com

दि फर्टिलाइज़र्स एण्ड केमिकल्स ट्रावनकोर लिमिटेड के लिए और इसकी ओर से आंतरिक वितरण के लिए प्रकाशित। लेखों में दिए तथ्यों की शुद्धता स्वयं लेखकों का ही है।

मुख चित्र

केरल में आयोजित संसदीय राजभाषा समिति की बैठक के दौरान माननीय सांसदगण के साथ एफ ए सी टी की टीम उनका हार्दिक अभिनंदन करते हुए।

संपादक के कलम से

हमारी कंपनी की गृह पत्रिका "राष्ट्रवाणी" का नवीनतम अंक आपके समक्ष उपस्थित है। पिछले अंक की भाँति इस अंक में भी हमारी कंपनी के अन्य कार्यालयों एवं संभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों की रचनाओं को प्रकाशित किया गया है।

भाषा समाज एवं संस्कृति का अभिन्न अंग है और मानव जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में एक दूसरे के बीच विचारों का आदान-प्रदान तथा अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। समाज के निर्माण और उसकी विकास की यात्रा में मानव ने अपनी बढती हुई आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अनेक उपाय किए हैं और उन्हें अभिव्यक्ति प्रदान करने के लिए भाषा का सहारा लिया है।

अनेकता में एकता भारत की विशेषता है। यहाँ अनेक भाषाएँ, जाति, धर्म, संस्कृति और परंपराएँ है। परंतु गहराई से देखें तो भारतीय संस्कृति अलग से संमृद्ध राष्ट्र में दिखाई देती है और यही हमारी पहचान है। संविधान के अनुसार हिंदी भारत संघ की राजभाषा है। हिंदी केवल एक भाषा ही नहीं है अपितु वह समृद्ध, सांस्कृतिक, जीवन्त और वैविध्यपूर्ण समाज का दर्पण है। राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के लिए हम सबका कर्तव्य है कि प्रेरणा और प्रोत्साहन द्वारा इसके विकास में अपना योगदान दें।

राजभाषा में प्रकाशित पत्रिकाएँ हिंदी लेखन को बढावा देने का कार्य करती हैं जिसका प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव हिंदी की प्रगति पर पडता है और सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढावा मिलता है।

विभाग की गृह पत्रिका "राष्ट्रवाणी" में उच्च अधिकारियों के दिशा-निर्देश, मार्गदर्शन तथा पत्रिका के संपादन से जुडे हिंदी विभाग के अधिकारियों तथा अन्य समस्त अधिकारियों के सहयोग से ही संपादन सफल हो पाया है। पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के बारे में पाठकों के विचार, सुझाव एवं प्रतिक्रियाओं की हमें सदैव प्रतीक्षा रहेगी। आप अपने बहुमूल्य सुझाव हमें अवश्य भेजें। इससे हमें प्रोत्साहन और प्रेरणा मिलेगी।

जय हिंद
जय हिंदी

मेजर राशिद बिन इस्माइल
वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

2022-23 के वित्तीय वर्ष के प्रत्येक तिमाही के अंतराल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक हमारे कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री किशोर रूंग्टा जी की अध्यक्षता में आयोजित किए जाते हैं। बैठकों में सदस्यगण के रूप में निदेशक गण अर्थात निदेशक (विपणन) श्री अनुपम मिश्रा, निदेशक (वित्त) श्री एस. शक्तिमणि तथा विभिन्न संभागों के संभाग मुख्य एवं विभाग मुख्य भी उपस्थित किए जाते हैं। सभी बैठकों में बैठक की कार्यसूची श्री पंचानन पोद्दार, उप महाप्रबंधक (रा भा) पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है। बैठक में हर तिमाही के हिंदी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित तिमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते है, वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार कंपनी में राजभाषा हिंदी के उत्तम कार्यान्वयन के लिए अध्यक्ष एवं सदस्यों द्वारा दिशा-निर्देश एवं सुझाव भी दिए जाते है। ◆

दिनांक 23.12.2022 को अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री कोशोर रूंग्टा की अध्यक्षता में निगम कार्यालय के बोर्ड रूम में आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का दृश्य।

एफ ए सी टी ने 2021-22 को परिचालन से उच्चतम परिचालन लाभ और राजस्व का रिकॉर्ड हासिल किया।

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान, एफ ए सी टी ने वर्ष 2020-21 के दौरान क्रमशः 350 करोड रुपए एवं 595 करोड रुपए की तुलना में 353 करोड रुपए का परिचालन लाभ और पी बी आई टी 598 करोड रुपए हासिल किया है। वर्ष के दौरान कंपनी ने पिछले वर्ष के 3259 करोड रुपए की तुलना में 4425 करोड रुपए का टर्नओवर प्राप्त किया है।

वर्ष की मुख्य विशेषताएँः

प्रचालन से सर्वकालीन उच्च राजस्व - 4425 करोड रुपए

8.27 लाख मी टन का फेक्टमफोस(एन पी 20 20 0 13) उत्पादन

1.37 लाख मी टन का अमोनियम सल्फेट उत्पादन

20835 मी टन के आसपास केप्रोलेक्टम उत्पादन

लगातार दो वर्षों में उर्वरक बिक्री 1 मिलियन मी टन को पार कर गई है (फेक्टमफोस 8.32 लाख मी टन, अमोनियम सल्फेट 1.45 लाख मी टन और एम ओ पी 0.29 लाख मी टन)

20701 मी टन केप्रोलेक्टम बिक्री

11,937 मी टन अमोनिया का सर्वकालीन उच्च बिक्री

कंपनी को वित्तीय वर्ष 2022-23 में भी उत्पादन और विपणन में वृद्धि जारी रखने की प्रतीक्षा है। ◆

गणतंत्र दिवस समारोह 2023

इस वर्ष का गणतंत्र दिवस समारोह उद्योगमंडल के फेक्ट मैदान में आयोजित किया गया। श्री किशोर रुंग्टा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक समारोह के मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर उन्होनें ध्वजारोहन कर अपना भाषण प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि द्वारा विभिन्न संभागों के कर्मचारियों के ग्रूपों और के औ सु ब कर्मचारियों के निष्पादन पुरस्कार वितरित किया।

गणतंत्र दिवस समारोह 2023 के भाग के रूप में, फेक्ट प्रबंधन ने 11 अधिकारियों को श्रेष्ठता प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। उद्योगमंडल के फेक्ट मैदान में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि एफ ए सी टी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री किशोर रुंग्टा द्वारा पुरस्कारों का वितरण किया। श्री किशोर रुंग्टा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री अनुपम मिश्रा, निदेशक (विपणन), श्री एस शक्तिमणि, निदेशक(वित्त) एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण के साथ श्रेष्ठता प्रमाण पत्र प्राप्त विजेतागण - श्री सजीश एम आर, उप प्रबंधक अनुरक्षण, यांत्रिक श्री अनीश कुमार सी वी, उप प्रबंधक (उत्पादन), श्री रविवर्मा तंपान, सहायक महाप्रबंधक (उत्पादन), विष्णु वी पाई, सहायक महाप्रबंधक अनुरक्षण यांत्रिक, नवीन जोय, सहायक महाप्रबंधक अभिकल्प सिविल, चेरी वर्गीस चेरियान, सहायक महाप्रबंधक (निरीक्षण), रमेश एम, उप प्रबंधक(बिक्री), जोण पी जोण, सहायक महाप्रबंधक (उत्पादन), जिनेश जी एफ, उप प्रबंधक(वित्त), निखिल कुमार टी, सहायक प्रबंधक (सामग्री), सिजु जोस टी वरिष्ठ प्रबंधक (मा सं) ◆

कोच्ची, केरल में आयोजित संसदीय राजभाषा समिति की बैठक

दिनांक 15 अक्टूबर, 2022 को संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप-समिति की बैठक कोच्ची में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संसदीय राजभाषा समिति के उपाध्यक्ष श्री भर्तृहरि महताब ने की। बैठक में संसद के 3 सांसद और समिति सचिवालय के 4 पदाधिकारी उपस्थित थे। उर्वरक विभाग, उर्वरक और रसायन मंत्रालय, भारत सरकार का प्रतिनिधित्व श्री जोहान टोपानो, उप सचिव (राजभाषा) और श्री डी पी मिश्रा, परामर्शदाता (राजभाषा) ने किया। बैठक में एफ ए सी टी की ओर से श्री किशोर रुन्टा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री अनुपम मिश्रा, निदेशक (विपणन), श्री शक्तिमणि एस, निदेशक (वित्त), श्री ए आर मोहन कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (मा सं एवं प्रशा) और हिंदी विभाग के कर्मचारी भी उपस्थित थे। माननीय समिति ने एफ ए सी टी में राजभाषा के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा की और समिति द्वारा कुछ महत्वपूर्ण आश्वासन दिए गए। ◆

FIRST SUB COMMITTEE
14 अक्टूबर 2022

FACT

FACT

गुजरात, सूरत में आयोजित हिंदी दिवस समारोह का उद्घाटन समारोह

इस वर्ष माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री की अध्यक्षता में पहली बार दिल्ली के बाहर सूरत (गुजरात) में हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। हिंदी दिवस और द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का यह संयुक्त आयोजन 14-15 सितंबर, 2022 को सूरत में आयोजित किया गया था। एफ ए सी टी ने 16.09.2022 से 29.09.2022 तक सभी संभागों के कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए कंपनी में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिंदी पखवाड़ा समारोह 2022 आयोजित किया है। कंपनी के विभिन्न संभागों में कर्मचारियों के लिए विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताएं और कार्यक्रम जैसे समाचार वाचन, अनुवाद, टिप्पण और आलेखन, सुलेख, एक पल में, नारा लेखन आदि का आयोजन किया गया। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) के सदस्य कार्यालयों के लिए एक दिवसीय राजभाषा संगोष्ठी और एक कवि सम्मेलन भी आयोजित किया गया। ◆

एफ ए सी टी में आयोजित हिंदी पखवाड़ा समारोह 2022

त्रिवेंद्रम टैगोर थियटर में आयोजित दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम राजभाषा सम्मेलन में कोच्ची नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा पुरस्कार स्वीकार करते हुए।

उद्योगमंडल क्लब में राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित वर्ष में कम से कम एक राजभाषा संगोष्ठी आयोजित करने का प्रस्ताव पारित है। अनुदेशों को ध्यान में रखते हुए दिनांक 26.09.2022 को एफ ए सी टी के उद्योगमंडल क्लब में नगर राजभाषा कार्यान्वयम समिति के अंतर्गत शामिल सदस्य कार्यालयों के राजभाषा/हिंदी कर्मियों अथवा अधिकारियों के लिए राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में चार सत्र रखे गए थे। संगोष्ठी में संकाय के रूप में श्री धर्मेंद्र कुमार, सहायक निदेशक (टं/आ), गृह मंत्रालय, भारत सरकार तथा श्रीमती एम सी शीला, सहायक निदेशक (रा भा), बी एस एन एल भवन उपस्थित थे। संगोष्ठी में एफ ए सी टी के निदेशकगण, महाप्रबंधक एवं अन्य वरिष्ठ प्रबंधकों के साथ कई अतिथि सदस्य भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में प्रथम सत्र श्रीमती एम सी शीला जी द्वारा (राजभाषा नियम एवं प्रावधानों) की जानकारी विषय पर अपना भाषण प्रस्तुत किया। दूसरे सत्र में श्री धर्मेंद्र कुमार जी द्वारा (राजभाषा कार्यान्वयन एवं प्रौधोगिकी) विषय पर विस्तृत जानकारी साझा किया। तृतीय सत्र पर्चा प्रस्तुतीकरण का था जिसमें सदस्य कार्यालयों से उपस्थित कुछ हिंदी कर्मियों ने (दक्षिण भारत में राजभाषा कार्यान्वयन की चुनौतियाँ) तथा (राजभाषा के रूप में हिंदी की वर्तमान स्थिति) विषयों पर अपना पत्र प्रस्तुत किया। संगोष्ठी का समापन अंतिम सत्र कवि सम्मेलन के बाद समाप्त किया गया। ◆

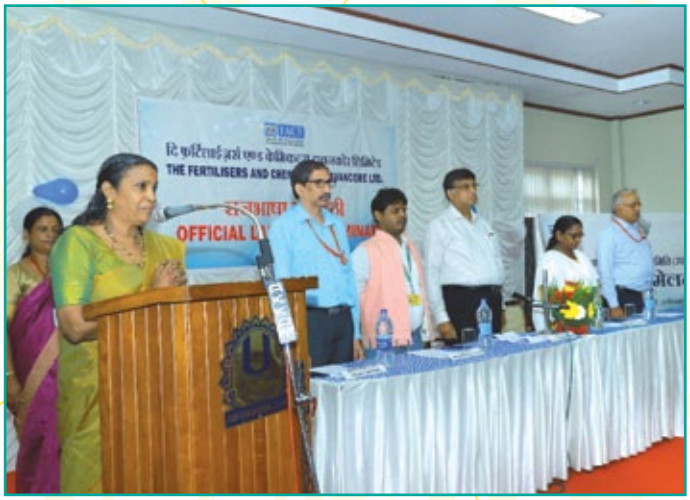

उद्योगमंडल क्लब में राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन

उद्योगमंडल क्लब में कवि सम्मेलन का आयोजन

संगोष्ठी के अंतिम सत्र में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में एफएसीटी द्वारा प्रायोजित कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) के सदस्य कार्यालयों यानी कोचीन शिपयार्ड, कोचीन पोर्ट ट्रस्ट, हिल इंडिया लिमिटेड, एफ ए सी टी आदि के कर्मचारियों ने बड़े उत्साह के साथ हिंदी कविताएं प्रस्तुत कीं। डॉ. गिरीश, सहायक प्रोफेसर, कुसाट संचालक के रूप में उपस्थित थे। काव्य प्रस्तुति के बाद सभी कविताओं पर संचालक ने अपने विचार व्यक्त किए। सभी को बधाई दी गई और पुरस्कार भी एफ ए सी टी द्वारा दिया गया। ◆

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह 2022 का आयोजन

समापन समारोह दिनांक 1 नवंबर, 2022 को श्री किशोर रुंटा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष की अध्यक्षता में उद्योगमंडल क्लब में भव्य तरीके से आयोजित किया गया था। एर्नाकुलम जिलाधीश डॉ रेणु राज, आई ए एस, समारोह की विशिष्ट अतिथि थीं। समारोह में श्री अनुपम मिश्रा, निदेशक (विपणन), श्री एस. शक्तिमणि, निदेशक (वित्त), राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। इस समारोह में विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। ◆

पुरस्कार वितरण

संयुक्त हिंदी पखवाड़ा 2021 का समापन समारोह

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) के तत्वावधान में 6 दिसंबर, 2022 को बी एस एन एल भवन, एर्नाकुलम में संयुक्त हिंदी पखवाड़ा 2021 का समापन समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि श्री अनुपम मिश्रा, निदेशक (विपणन) थे। एफ ए सी टी ने संयुक्त हिंदी पखवाड़ा समारोह 2021 में निम्नलिखित पुरस्कार प्राप्त किए हैं

- कंपनी में उत्कृष्ट हिंदी कार्यान्वयन के लिए प्रथम पुरस्कार के लिए न रा का स द्वारा प्रायोजित ट्रॉफी।
- संयुक्त हिंदी पखवाड़े समारोह 2021 के सिलसिले में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं को उच्चतम अंक प्राप्त करने को प्रथम स्थान के लिए न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी द्वारा प्रायोजित एवर रोलिंग ट्रॉफी।
- हिन्दी अनुवाद प्रतियोगिता के प्रथम पुरस्कार के लिए एफ ए सी टी द्वारा प्रायोजित ट्रॉफी।
- राजभाषा पत्रिका 'राष्ट्रवाणी' के लिए प्रथम पुरस्कार के लिए न रा का स द्वारा प्रायोजित ट्रॉफी। ◆

फेक्ट स्पोर्ट्स एसोसियेशन द्वारा उद्योगमंडल क्लब में आयोजित फेक्ट ऑपन चेस टूर्णमेंट 2022 में विजेताओं को कंपनी के वरिष्ठ अधिकारीगण पुरस्कार सम्मानित करते हुए।

नवरात्रि समारोह

एफ ए सी टी के उद्योगमंडल कॉम्प्लेक्स में नवरात्रि समारोह मनाते हुए। दृश्य में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री किशोर रुंग्टा, निदेशक गण एवं वरिष्ठ अधिकारीगण भी है।

विश्व हिंदी दिवस समारोह 2023 का आयोजन

दिनांक 10 जनवरी, 2023 को विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर एफ ए सी टी के उद्योगमंडल बोर्ड कक्ष में कंपनी के सभी संभागों एवं विभागों के कर्मचारियों एवं अधिकारियों के लिए एक देशभक्ति समूहगान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न संभागों एवं विभागों से पधारे कुल 8 सदस्य टीम मौजूद थें। सभी टीमों ने देशभक्ति के ऊपर सुंदर सुंदर गीत प्रस्तुत किए। पूरा कक्ष देशभक्ति के गीतों से गूंज रहा था। अध्यक्ष के रूप में उद्योगमंडल संभाग के संभाग प्रमुख महाप्रबंधक (यू सी) श्री के वी जयराज महोदय उपस्थित थे। प्रतियोगिता के अंत में विजेता टीम को पुरस्कृत किया। विजेता टीमों में प्रथम पुरस्कार (3000 रू.) मुख्यालय से पधारे टीम ने प्राप्त किया। द्वितीय पुरस्कार (2000 रू.) के रूप में पी डी संभाग से पधारे टीमों ने प्राप्त किया। तृतीय पुरस्कार (1000 रू.) के रूप में फेडो संभाग से पधारे टीमों को पुरस्कृत किया गया तथा अन्य टिमों को सांतवना पुरस्कार (750 रू.) देकर सम्मानित किया गया। ◆

विपणन संभाग के कार्यालयों में आयोजित विश्व हिंदी दिवस

विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर 10 जनवरी 2023 को विपणन विभाग के विभिन्न कार्यालयों में कई कार्यक्रम आयजित किए गए। विपणन मुख्यालय मे कर्मचारियों ने संगीत, विषय पर चर्चा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

राज्य कार्यालय, हैदराबाद द्वारा भी विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी कार्यक्रम आयोजित किए गए। उप महाप्रबंधक (आंध्रप्रदेश एवं तेलंगाना), श्री सुरेश कुमार रेड्डी के नेतृत्व में कार्यालय के सभी कर्मियों ने भाग लिया।

राज्य कार्यालय , बेंगलुरु द्वारा विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर 10 जनवरी 2023 को "विक्रेता प्रबंधन विषय" पर चर्चा हुई। इस कार्यक्रम मे मुख्यालय से उप महाप्रबंधक (विपणन) - उर्वरक श्री जेतेन्द्र कुमार ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए उर्वरक विपणन मे विक्रेता की भूमिका पर प्रकाश डाला ६ उप महाप्रबंधक (कर्नाटक) श्री के आर राव, सहायक महाप्रबंधक एवं आँचलिक प्रबन्धक - बेंगलुरु, हासन, बेलगाम तथा कार्यालय के अन्य कर्मचारियों ने अपने विचार रखे।

एफ ए सी टी मुख्यालय द्वारा आयोजित हिंदी दिवस के कार्यक्रमों मे विपणन विभाग के कर्मचारियों ने भी काफी उत्साह के साथ भाग लिया।

वर्ष 2023 मे विश्व हिंदी दिवस का आयोजन काफी उत्साह के साथ मनाया गया। एफ ए सी टी के कर्मचारीगण ने इस दिवस को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। विपणन संभाग ने विभिन्न कार्यालयों में आयोजित हिंदी दिवस में कर्मचारियों ने हिंदी के विकास और प्रगति के लिए मिलजुल कर काम करने का संकल्प लिया। ◆

रिपोर्ट प्रेषक
जीतेंद्र कुमार
उप महाप्रबंधक (विपणन) - उर्वरक

कविताएँ

उड़ान

घर की लक्ष्मी कहते हो
तो मान भी वैसा दो
बेटी घर की शान है बोलते हो
तो मर्यादा की पाबंदी भी तोड़ दो
पर दिए है शिक्षा की
तो अब उड़ने भी दो
पापा की परी को आसमान छूने दो
आत्मनिर्भर बनने दो
आत्मसम्मान के साथ जीने दो
खुल कर हँसने दो, खुश रहने दो
अपनी जिंदगी अपनी तरीके से जीने दो
तभी तो मना पाऐंगे हम
आजादी का अमृत महोत्सव।

नव्या हनी जे
विपणन विभाग

सुनहरा सावन

धीमी धीमी हवा के झोंकों
के ताल पर थिरकता बरसता सावन।

रिमझिम रिमझिम गिरते
पानी के हल्के फव्वारे,
नई मिट्टी की खुशबू
और ठंडी हवा
कर जाती है न जाने
कौन सी जादू।

तन मन को ठंडा कर दे
ये बारिश की पहली बूँदें
ताजी कर देती है फिर से
बचपन की यादें।

वह बिना छतरी के
पानी में मछली पकडना,
भीगकर घर लौट आना,
खूब डाँट खाना,
सर्दी खाँसी की बिमारी
और वह कड़वी दवाई,
पाठशाला सें छट्टी पाना
बिस्तर पर चादँर ओढकर लेटना।
बंद खिडकी पर नाक छिपकाकर
छत से पानी की टपकती
मोतियां गिनना।

अचानक चमकती बिजली
और गरजता बादल
आज भी वह डर
दिल में वैसा ही वैसा।

आहिस्ता आहिस्ता
बरशते बारिश में भी
एक अजब सी अदा है,
अलग सी बात है
जो लौटा देती है हरेक के
मन में अनेक सुनहरे लम्हे।

रीना एस. कामत
उप अधिकारी
(प्रशासन)

मेरी प्यारी हिंदी

मेरी प्यारी हिंदी,
मेरी दुलारी हिंदी,
भारत मां के मुख की बिंदी,
मेरी प्यारी हिंदी

गंगा के तट पर जनम लिया,
अमृत सा सबको तृप्त किया,
सर्वधर्मसमभाव का तूने मंत्र दिया,
गंगा जमुना तहजीब की सहकारी तू,
मेरी हिंदी प्यारी तू, हमको सबसे दुलारी तू।

तु पूरब में तु पश्चिम में,
तु उत्तर में, तु दक्षिण में,
भाषाओं में सबसे सुंदर नारी तू,
कश्मीर से कन्याकुमारी तू ,
मेरी हिंदी प्यारी तू, हमको सबसे दुलारी तू।

अंग्रेजो का शासन था,
तेरे लिए न कोई आसन था,
तु रुकी नहीं, तु झुकी नही,
तु ऐसी जलधारा जो कभी सुकी नही,
हौसला कभी न हारी तू,
मेरी हिंदी प्यारी तू, हमको सबसे दुलारी तू।

स्वतंत्रता संग्राम को नया मोड़ दिया,
अंग्रेजो का घमंड तोड दिया,
हिंदी ने भारत को जोड दिया,
झांसी की रानी के मुख से ललकारी तू,
है सबसे क्रांतिकारी तू,
मेरी हिंदी प्यारी तू, हमको सबसे दुलारी तू।

तु नर्मदा है, तु कावेरी हैं,
तु हिमालय, तु अरवली है,
तु महाशक्तिशाली तु महाबली है,
भारत मां की सबसे दुलारी ,
तेरा सफर रहे ऐसे ही जारी,
ऐ मेरी हिंदी प्यारी, ऐ मेरी हिंदी प्यारी।

शुभम शाम सव्वालाखे
प्रबंधन प्रशिक्षु (औद्योगिक अभियांत्रिकी)

पर्यावरण हितैषी जीवनशैली

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2022 को भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने जीवनशैली की अवधारणा को प्रस्तुत किया और आगे बढाया। आज यह एक वैश्विक जन आन्दोलन के रूप में बढ रहा है। विश्व में सभी पशु-पक्षियों और प्राणियों के जीवन का अस्तित्व पर्यावरण से ही संभव है। अगर पर्यावरण नहीं है तो, जगत में जीवन भी नहीं हो सकते हैं।

"पर्यावरण हितैषी जीवनशैली" - यह एक अनमोल विचार है। हम सब को यह समझना है कि प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा अत्यंत अनिवार्य है। प्रकृति रक्षनि रक्षित- यदि हम प्रकृति की रक्षा करें तो प्रकृति भी हमारी रक्षा करेगी। लेकिन आज मानव के अतिक्रमणों से प्रकृति का नाश हो रहा है। साथ ही साथ जलवायु में अप्रत्याशित परिवर्तनों के कारण कई स्थलों में बाढ, सूखा एवं वन विनाश भी होते हैं। इस अवस्था में मानव और जीव की रक्षा के लिए एक ही राह है- पर्यावरण हितैषी जीवनशैली।

पर्यावरण हितैषी जीवनशैली का मतलब यह है कि प्रकृति और उनकी संसाधनों की रक्षा के लिए अपनी आदतों और जीवनशैली को इस तरह बदलना है। हमें सभी संसाधनों के महत्व को समझना चाहिए और उन्हें बर्बाद किए बिना बुद्धिमानी और कुशलता से उपयोग करना चाहिए। इस मंत्र को हम सबको पूरे मन से लेना चाहिए। इस आन्दोलन से हमें विश्वास है कि छोटे प्रयास से भी पर्यावरण में बङा सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। हम अपनी जीवनशैली बदलकर पर्यावरण और प्रकृति की रक्षा कर सकते हैं। इस लिए हम सब हाथ जोङकर इस आन्दोलन में भाग लेकर पर्यावरण और प्रकृति माँ की रक्षा करना चाहिए।

प्रकृति माँ ही हमें जीवन के लिए स्वच्छ जलवायु और सभी संसाधन को प्रदान कराती है। इसलिए इस जीवनशैली में हमें जल संरक्षण, वायु संरक्षण और ऊर्जा संरक्षण को समान महत्व देना चाहिए। हम भारतियों का एक महान संस्कृति है जिसमें हम प्रकृति की पूजा करें, प्रकृति के जल, वायु और अग्नि को ईश्वर समझें और पूजा करें। इस युग में भी हमें इस संस्कृति का पालन करना चाहिए और प्रकृति के अनुरूप जीना चाहिए। जलवायु और ऊर्जा संरक्षण के महत्व को ध्यान में रखते हुए यहाँ कुछ सरल उपाय दिए गए हैं, जिनका पालन करना हमारा कर्तव्य है-

(क) अधिक से अधिक पेङ लगाएँ
(ख) प्लास्टिक के उपयोग और जलाने से बचें
(ग) ग्लोबल वार्मिंग के परिणामस्वरूप गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों पर जोङ डाले।
(घ) पानी को गिरने से बचाने के लिए नलों को कसकर बंद कर दें।
(ङ) रिसाव का मरम्मत, यदि कोई हो
(च) वर्षा जल संरक्षण
(छ) पौधों को सीचने के लिए सफाई के पानी का पुन उपयोग करें
(ज) उपयोग में न होने पर लाइट और पंखे बंद कर दें
(झ) ऊर्जा कुशल उपकरणों का उपयोग करें
(ञ) सौर ऊर्जा जैसे ऊर्जा के नवीकरणीय स्त्रोतों का उपयोग करें
(ट) सामान्य बल्ब और ट्यूब के स्थान पर एल ई डी और सी एफ एल का प्रयोग करें

कम से कम इनमें कुछ युक्तियों का पालन करके आइए हम सब इस जीवनशैली को अपनाएँ और संपूर्ण जीवित जीवों के अस्तित्व के लिए अपनी प्रकृति माँ की रक्षा करने के लिए अपना मन लगाएँ। ◆

सूर्या एस मेनन
सहायक (सामान्य)
विपणन संभाग

हिंदी के प्रमुख कवि

सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला हिन्दी के छायावादी युग के चार प्रमुख स्तम्भों में से एक हैं। वे जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानन्दन पंत तथा महादेवी वर्मा के समकक्ष माने गए हैं। उन्होंने कहानियां, उपन्यास तथा निबन्ध इत्यादि सभी विधाओं में रचनाओं का सृजन किया है परन्तु उनकी ख्याति विशेष रूप से कविता के कारण ही मानी जाती है। उन्होंने अपनी कविताओं में कल्पना की तुलना में यथार्थ को प्रमुखता से वर्णित किया है। उनकी रचनाओं में अनेक प्रकार के भाव चित्रित हुए हैं यथा प्रेमभाव, आध्यात्मिकता, संवेदना, सहानुभूति तो कहीं-कहीं देशभक्ति का भाव तथा सामाजिक रूढ़िवादिता के विरोध का भाव प्रबल रहा है। अपने संघर्षमयी जीवन काल में उन्होंने बहुत सी अमूल्य कृतियों का सृजन किया है, जिनमें से कुछ निम्न प्रकार हैं-

कविता संग्रह - परिमल, अनामिका, गीतिका, कुकुरमुत्ता, आदिमा, बेला, नए पत्ते, अर्चना, आराधना, तुलसीदास, जन्मभूमि

उपन्यास - आसरा, अल्का, प्रभावती, निरूपमा, चमेली के काले कारनामे

निबन्ध संग्रह - प्रबन्ध परिचय, प्रबन्ध प्रतिभा, चाबुक, चयन संघर्ष इत्यादि

अनुवाद - आनन्द मठ, विश्व विकर्ष, दुर्गेश नन्दिनी, राज सिंह, राजरानी देवी चौधरानी, चन्द्रशेखर, रजनी, भारत में विवेकानन्द, राजयोग आदि।

वे हिन्दी, बांग्ला, अंग्रेजी और संस्कृत भाषा में निपुण थे और श्री रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानन्द तथा श्री रवीन्द्रनाथ टैगोर से विशेष तौर पर प्रभावित थे। उनकी काव्यकला की सबसे बड़ी विशेषता चित्रण कौशल है।

कहां कनक-कोरों के नीरव
अश्रु-कणों में भर मुस्कान
विरह-मिलन के एक साथ ही
खिल पड़ते वे भाव महान (यमुना के प्रति)

यथार्थ की भावभूमि पर अपनी रचनात्मकता को प्रदर्शित करने वाले साहित्य के सर्वाधिक चर्चित कवि को कोटि-कोटि नमन।

राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह समारोह 2023

उद्योगमंडल कॉम्प्लेक्स

राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह समारोह 2023 के सिलसिले में, एफ ए सी टी उद्योगमंडल कॉम्प्लेक्स ने फैक्टरीस एण्ड बॉयलर विभाग, केरल सरकार और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद् केरल चैप्टर (एन एस सी के सी) से निम्न लिखित विभिन्न सुरक्षा पुरस्कार प्राप्त किए हैं।

फैक्टरीस एण्ड बॉयलर विभाग, केरल सरकार की ओर से सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा समिति का पुरस्कार।

श्री एम पी वर्गीस, अधिकारी (कल्याण) एफ ए सी टी - यू सी को फैक्ट्रीस एण्ड बॉयलर विभाग से सर्वश्रेष्ठ कल्याण अधिकारी के पुरस्कार।

श्री अगस्टिन बिजु, प्रक्रम तकनीशियन, हयाम संयंत्र ने केरल सरकार के फैक्ट्रीस एण्ड बॉयलर विभाग द्वारा गठित सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा कर्मचारी के पुरस्कार।

श्री जितेंद्र कुमार साहनी, वेल्डर, मेसर्स ट्रैटेक (संविदाकार) ने केरल सरकार के फैक्ट्रीस एण्ड बॉयलर विभाग द्वारा गठित सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा अतिथि कार्यकर्ता के पुरस्कार।

एफ ए सी टी - यू सी टीम ने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद् केरल चैप्टर (एन एस सी के सी) द्वारा गठित टेबल टॉप मॉक ड्रिल में प्रथम पुरस्कार।

एफ ए सी टी - यू सी टीम ने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद् केरल चैप्टर (एन एस सी के सी) द्वारा गठित सुरक्षा स्किट प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार।

श्री राजेंद्र कुमार वी एन, तकनीशियन (थर्मल) और श्री दीपु एलेक्स, तकनीशियन (प्रकम) ने एन एस सी के सी द्वारा आयोजित औद्योगिक कर्मचारियों के लिए अखिल केरल सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार।

श्री अनिल कुमार ई एन, स प्र (प्रक्रम) अमोनिया कॉम्प्लेक्स ने एन एस सी के सी द्वारा आयोजित औद्योगिक कर्मचारियों के लिए अखिल केरल सुरक्षा नारा (मलयालम) प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार।

श्री रेजी आइज़ेक, उप प्रबंधक (एस), यू सी ने एन एस सी के सी द्वारा आयोजित औद्योगिक कर्मचारियों के लिए अखिल केरल सुरक्षा एलोक्यूशन (मलयालम) प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता है।

श्री विनोदन पी, इंजीनियर (प्रक्रम) अमोनिया कॉम्प्लेक्स ने एस एस सी के सी द्वारा आयोजित औद्योगिक कर्मचारियों के लिए अखिल केरल सुरक्षा कविता प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार। ◆

एफ ए सी टी के लिए सुरक्षा पुरस्कार - 2023

बैंगलूर राज्य/आंचलिक कार्यालय में हिंदी दिवस समारोह 2022

दिनांक 14.07.2022 को एफ ए सी टी के बैंगलूर राज्य/आंचलिक कार्यालय में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस सामारोह में कार्यालय के समस्त अधिकारिगण उपस्थित थें। समारोह का आयोजन श्री के. आर. राव, उप महाप्रबंधक(कर्नाटक), कार्यालय प्रमुख की अध्यक्षता में की गई। समारोह की शुरूवात माननीय केंद्रीय गृह मंत्री, श्री अमित शाह जी के हिंदी दिवस पर विशेष संदेश को पढकर किया गया। समारोह में अध्यक्ष महोदय ने अपने अध्यक्षयी भाषण में हिंदी के महत्व एवं इसके प्रगामी प्रयोगों पर विचार व्यक्त की तथा कार्यालय में राजभाषा हिंदी का अधिकतम प्रयोग करने का आश्वासन भी दिया। समारोह में उपस्थित अन्य सदस्यों ने उनके विचारों तथा आश्वासनों पर सहमति व्यक्त की। अध्यक्षयी भाषण के बाद कार्यालय के अन्य सदस्यों के लिए अनुवाद प्रतियोगिता एवं सुलेख लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सभी अधिकारियों ने भाग लिया। समारोह का समापन विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करके चाय और नाश्ते के साथ किया गया। ◆

बधाईयाँ

निदेशक (तकनीकी)

डॉ के जयचंद्रन को भारत सरकार के आदेश के अनुसार एफ ए सी टी के बोर्ड में निदेशक (तकनीकी) के रूप में नियुक्त किया गया है। उनको रासायनिक अभियांत्रिकी में स्नातकोत्तर उपाधि और पर्यावरण विज्ञान में डॉक्टरेट की उपाधि है। वह 1989 से कंपनी के विभिन्न स्तरों पर 33 से अधिक वर्षों का अनुभव है। उन्होंने अपने करियर के दौरान एफ ए सी टी के विभिन्न प्रमुख तकनीकी पदों पर कार्य किया है और 03.03.2023 को निदेशक (तकनीकी) के रूप में कार्यभार संभालने से पहने कार्यपालक (निगम योजना) थे।

हार्दिक बधाईयाँ।

मुख्य सतर्कता अधिकारी

डॉ सूर्या थंकप्पन, आई पी एस ने प्रतिनियुक्ति के आधार पर एफ ए स सी टी के मुख्य सतर्कता अधिकारी के रूप में कार्यभार संभाला।

हार्दिक बधाईयाँ।

एफ ए सी टी में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर वर्ष 8 मार्च को मनाया जा रहा है। यह दिन पूरा विश्व की महिलाओं को समर्पित है। महिलाएँ समाज का एक अभिन्न अंग है, जिनकी भूमिका परिवार, समाज और राष्ट्र तीनों के निर्माण और विकास में अतुलनीय है। कंपनी में उर्वरक उत्पादन के 75 वर्ष मनाने के अवसर पर एफ ए सी टी इस वर्ष निगम स्तर पर अपने महिला कर्मचारियों के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के साथ महिला दिवस आयोजित किया।

अंबलमेड में स्थित कंपनी के कोचीन संभाग में विभिन्न प्रतियोगिताएँ एवं कार्यक्रमों के साथ महिला दिवस आयोजित किया। कंपनी के सभी महिलाएँ कर्मचारी अंबलमेड में एकत्रित होकर सांस्कृतिक कार्यकलापों को संचालित किया। इस सिलसिले में ऑनलाइन द्वारा पुरुष कर्मचारियों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता एवं महिला कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों के लिए नारा लेखन प्रतियोगिता आयोजित किया। महिला कर्मचारियों के लिए ऑफलाइन द्वारा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित किया। इस अवसर पर यू पी एवं एल पी स्कूल के बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित किया।

श्री किशोर रुंग्टा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में सभी विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया। मुख्यातिथि के रूप में डॉ बीना, आई ए एस, कंपनी के मुख्य सतर्कता अधिकारी डॉ सूर्या तंकप्पन, आई पी एस, निदेशक (विपणन) अनुपम मिश्रा, निदेशक (वित्त) श्री शक्तिमणि और डॉ के जयचंद्रन, निदेशक (तकनीकी) भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

ट्राफिक ब्लॉक नाम पर एक म्यूसिकल पार्टी के कार्यक्रम के साथ एफ ए सी टी में इस वर्ष का महिला दिवस का समापन हुआ। ◆

स्वतंत्रता दिवस समारोह 2022

प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस समारोह 2022 फेक्ट ग्राउंड, उद्योगमंडल में आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री किशोर रूंग्टा जी थे। उन्होनें कैंद्रीय औधोगिक सुरक्षा बल के जवानों के साथ मिलकर सम्मान के साथ राष्ट्रीय ध्वज को फहराया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा अधिकारियों को श्रेष्ठता पुरस्कार भी प्रदान किए गए। समारोह में अन्य गणमान्य व्यक्तियों में निदेशक (विपणन), निदेशक (वित्त) सहित अन्य संभागों एवं विभागों से पधारे महाप्रबंधक एवं अधिकारीगण मौजूद थे। अध्यक्ष महोदय द्वारा अपने अध्यक्षयी भाषण में कंपनी के विकास एवं प्रगति पर बात करते हुए भविष्य में कंपनी के प्रगति के पथ पर अग्रसर होने के लिए सभी सदस्यों को शुभकामनाएँ के साथ समारोह का समापन किया गया। ◆

फेक्ट के उर्वरक उत्पादन के 75 वर्ष

75 वर्ष का उर्वरक उत्पादन समारोह

एफ ए सी टी में उर्वरक उत्पादन के 75वें वर्ष का जश्न 05 नवंबर, 2022 को एफ ए सी टी एम के के नायर मेमोरियल हॉल में शुरू हुआ। समारोह का उद्घाटन माननीय न्यायमूर्ति श्री वी जी अरुण, न्यायाधीश, केरल उच्च न्यायालय द्वारा किया गया। डॉ. वी पी जॉय, आई ए एस, मुख्य सचिव, केरल सरकार सम्मानित अतिथि थे और समारोह की अध्यक्षता श्री किशोर रुंग्टा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एफ ए सी टी ने की। श्री हरि नायर, विधि सचिव, केरल सरकार ने समारोह में भाग लिया। डॉ. के. जयचंद्रन, मुख्य महाप्रबंधक (सीपी) और श्री ए.आर. मोहनकुमार, मुख्य महाप्रबंधक (एचआर एंड ए) ने इस अवसर पर भाषण दी। समारोह के हिस्से के रूप में, डॉ. वीपी जॉय, आई ए एस द्वारा लिखित एक काव्य रचना 'रामानुथपम' का आयोजन किया गया। नादनाभूषणम श्रीमती चित्रा मोहन के मार्गदर्शन में चैत्र ज्योति नाडाना विद्यालयम के कलाकारों की एक टीम द्वारा नृत्य नाटिका के रूप में मंचित और प्रस्तुत किया गया। ◆

फेक्ट के उर्वरक उत्पादन के 75 वर्ष

रक्तदान शिविर

फेक्ट के 75 वर्षों के उर्वरक उत्पादन और राष्ट्र की सेवा के उत्सव के हिस्से के रूप में 30 दिसंबर, 2022 को फेक्ट उद्योगमंडल क्लब, उद्योगमंडल में सामान्य अस्पताल, एर्नाकुलम के रक्त केंद्र के सहयोग से 75 रक्तदाताओं का रक्तदान शिविर आयोजित किया गया था।

श्री किशोर रूंगटा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एफ ए सी टी ने पारंपरिक दीप प्रज्वलित कर शिविर का उद्घाटन किया। डॉ. रॉय अब्रहम, चिकित्सा अधिकारी, सामान्य अस्पताल, एर्नाकुलम ने रक्तदान के महत्व पर बात की। श्री एस शक्तिमणि, निदेशक (वित्त) ने अभिनंदन किया और श्री ए आर मोहन कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशा) ने सभा का स्वागत किया।

फेक्ट के सी एस आर पहल के रूप में फेक्ट के कर्मचारी, के ओ सु ब कार्मिक और उनके परिवार के सदस्य रक्तदान के नेक काम में शामिल हुए। ◆

फेक्ट के उर्वरक उत्पादन के 75 वर्ष

मिनी मैराथन

18 फरवरी, 2023 को एक मिनी मैराथन फेक्ट 75 वर्ष का आयोजन फेक्ट के 75 वर्ष के उर्वरक उत्पादन को चिह्नित करने के लिए वर्ष भर चलने वाले समारोह के हिस्से के रूप में किया गया था। मैराथन को अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री किशोर रुंग्टा ने झंडी दिखाकर रवाना किया। मिनी मैराथन में जनता की भागीदारी देखी गई, जिसमें भारत के विभिन्न हिस्सों से लगभग 740 धावकों ने भाग लिया और विजेताओं को नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मुख्य मैराथन के अलावा 5.1 किमी लंबी फन रन का भी आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उर्वरक उत्पादन और देश की सेवा के क्षेत्र में फेक्ट की 75 वर्ष की यात्रा का जश्न मनाने के लिए भारत के विभिन्न हिस्सों से लोगों को एक साथ लाया। ◆

दिनांक 11-12 मार्च, 2023 को फेक्ट वुमन्स वेलफेयर ऑर्गानाइज़ेशन द्वारा आयोजित मून्नार-कांतल्लूर यात्रा का विविध दृश्य

कृपया ध्यान दें

राजभाषा निर्देशिका

1. निम्नलिखित पत्रों का प्रारूप केवल हिन्दी में प्रस्तुत करें

   1. क तथा ख क्षेत्र की राज्य सरकारों या संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासन और इन क्षेत्रों में स्थित केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों, उपक्रमों आदि और गैर सरकारी व्यक्तियों को जाने वाले सभी पत्रादि

   2. हिन्दी में प्राप्त सभी पत्र आदि के उत्तर।

   3. किसी कर्मचारी द्वारा हिन्दी में दिए गए या हस्ताक्षर किए गए आवेदन, अपील या अभ्यावेदन का उत्तर।

   4. संबंधित पत्रावलियों पर टिप्पणियां।

2. द्विभाषिक रूप अर्थात् हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में जारी किये जाने वाले कागजात

   1. संकल्प (Resolution) 2. अधिसूचना (Notifications) 3. सामान्य आदेश (General Orders) 4. नियम (Rules) 5. प्रशासनिक एवं अन्य रिपोर्ट 6. प्रैस विज्ञप्तियां (Press Release) 7. संविदाएं (Contracts) 8. एग्रीमैंटस (Agreements) 9. परमिट (Permits) 10. लाइसैंस (Licence) 11. टेंडर नोटिस (Tender Notice) 12. टेंडर फार्म (Forms of Tender) 13. संसद के सदन या दोनों सदनों में प्रस्तुत प्रशासनिक तथा अन्य रिपोर्टें और सभी सरकारी कागजात।

   (सामान्य आदेशों में सभी प्रकार के आदेश, विभागीय प्रयोग वाले या स्थाई किस्म के निर्णय, कर्मचारियों के लिए सभी आदेश, अनुदेश, पत्र, ज्ञापन, नोटिस, विभागीय प्रयोग या सरकारी कर्मचारियों के लिए सभी परिपत्र शामिल हैं)

3. हिन्दी में लिखे या हस्ताक्षर किए सभी पत्रों, आवेदनों, अपीलों या अभ्यावेदनों के उत्तर हिन्दी में ही दिए जाएं।

4. उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, दिल्ली और संघ शासित राज्य अण्डमान निकोबार द्वीप समूह तथा महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब और संघ राज्य क्षेत्र चण्डीगढ़ में स्थित किसी कार्यालय या व्यक्ति द्वारा भेजे जाने वाले और उन्हें सम्बोधित मूल पत्र हिन्दी में ही भेजे जाएं।

5. उपर्युक्त सूची में शामिल राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को छोड़कर अन्य राज्यों और संघ राज्य स्थित केवल केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों को हिन्दी में पत्र भेजे जा सकते हैं।◆

क्या करें / DO's

1. राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत जारी कागजात (सभी परिपत्र / स्थानांतरण एवं तैनाती आदेश / नियुक्ति आदेश / प्रेस रिलीज / विज्ञापन आदि) को मात्र द्विभाषी रूप में जारी करें।

   DOCUMENTS ISSUED UNDER SECTION 3(3) OF OL ACT 1963, (ALL CIRCULARS / TRANSFERS / POSTING ORDERS/ APPOINTMENT ORDER / PRESS RELEASE / ADVERTISEMENT ETC.) MUST BE ISSUED IN BILINGUAL ONLY.

2. हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर मात्र हिंदी में दें।

   REPLIES TO COMMUNICATION RECEIVED IN HINDI MUST BE REPLIED IN HINDI ONLY.

3. सभी कंप्यूटरों में द्विभाषी सुविधा उपलब्ध कराएँ ।

   BILINGUAL FACILITY MUST BE PROVIDED IN ALL COMPUTERS.

4. फार्मों, कोडों, मैनुअल और गजट की सामग्री को द्विभाषी रूप में तैयार करें ।

   CODES, MANUALS, FORMS, GAZETTE ETC MUST BE PUBLISHED IN BILINGUAL.

5. रबड़ की मोहरें, नाम पट्ट, साइन बोर्ड, बैनर आदि द्विभाषी / त्रिभाषी रूप में तैयार करें ।

   RUBBER STAMPS, NAME-PLATES, SIGN BOARD, BANNERS ETC SHOULD NOT BE PREPARED IN ENGLISH ONLY.

6. सेवा पुस्तिकाओं / वैयक्तिक फ़ाइलों एवं रजिस्टरों में मात्र अंग्रेजी में प्राविष्टियाँ करें ।

   ENTRIES IN SERVICE BOOKS / PERSONAL FILES & REGISTERS MUST BE MADE IN HINDI / BILINGUAL.

7. पदोन्नति एवं भर्ती परीक्षाओं की लिखित परीक्षा / साक्षात्कार में हिंदी का वकैल्पिक प्रयोग करें। इसका उल्लेख संबंधित विज्ञापन / साक्षात्कार पत्र में स्पष्ट रूप से किया जाए ।

   OPTIONAL USE OF HINDI IN WRITTEN EXAM / INTERVIEW OF PROMOTIONAL AND RECRUITMENT EXAMINATION

   MUST BE PROVIDED. THE SAME MAY BE MENTIONED CLEARLY IN RESPECTIVE ADVT. / INTERVIEW LETTER.

8. फाइलों पर शीर्षक द्विभाषी रूप में लिखें ।

   SUBJECT / TITLE ON FILES MUST BE WRITTEN IN BILINGUAL.

9. सभी बठैकों के कार्यवृत्त द्विभाषी रूप में जारी करें।

   MINUTES OF MEETINGS MUST BE ISSUED IN BILINGUAL.

10. कोड, मनुैअल और अन्य प्रक्रिया संबंधित साहित्य द्विभाषी रूप में (हिंदी तथा अंग्रेजी) तैयार करें ।

    CODES, MANUALS AND OTHER PROCEDURAL LITERATURE MUST BE PREPARED IN BILINGUAL. ◆

क्या न करें / DON'Ts

1. राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अतंर्गत जारी कागजात (सभी परिपत्र / स्थानांतरण एवं तैनाती आदेश / नियुक्ति आदेश / प्रेस रिलीज /विज्ञापन आदि) को मात्र अंग्रेजी या हिन्दी में जारी न करें ।

   DOCUMENTS ISSUED UNDER SECTION 3(3) OF OL ACT 1963, (ALL CIRCULARS / TRANSFERS / POSTING ORDERS / APPOINTMENT ORDER / PRESS RELEASE / ADVERTISEMENT ETC.) SHOULD NOT BE ISSUED IN ENGLISH OR HINDI ONLY.

2. हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर अंग्रेजी में न दें ।

   REPLIES TO COMMUNICATION RECEIVED IN HINDI SHOULD NOT BE REPLIED IN ENGLISH.

3. कोई कंमप्युटर बिना द्विभाषी सुविधा के न हों ।

   NO COMPUTERS SHOULD BE USED WITH OUT BILINGUAL FACILITY.

4. फार्मों , कोडों, मनुैअल और गजट की सामग्री को मात्र अंग्रेजी में प्रकाशित न करें ।

   CODES, MANUALS, FORMS, GAZETTE ETC SHOULD NOT BE PUBLISHED IN ENGLISH ONLY.

5. रबड़ की मोहरें, नामपट्ट, साइन बोर्ड, बैनर आदि मात्र अंग्रेजी में तैयार न करें ।

   RUBBER STAMPS, NAME-PLATES, SIGN BOARD, BANNERS ETC SHOULD NOT BE PREPARED IN ENGLISH ONLY.

6. सेवा पुस्तिकाओं / वयैक्तिक फाइलों एवं रजिस्टरों में मात्र अंग्रेजी में प्रविष्टियाँ न करें ।

   ENTRIES IN SERVICE BOOKS, REGISTERS & PERSONAL FILES SHOULD NOT BE MADE IN ENGLISH ONLY.

7. पदोन्नति एवं भर्ती परीक्षाओं की लिखित परीक्षा / साक्षात्कार में मात्र अंग्रेजी का विकल्प न रखें । इसका उल्लेख संबंधित विज्ञापन / साक्षात्कार पत्र में न किया जाए ।

   OPTION FOR ENGLISH ONLY SHOULD NOT BE PROVIDED IN WRITTEN EXAM / INTERVIEW OF PROMOTIONAL AND RECRUITMENT EXAMINATION. THE SAME MAY NOT BE MENTIONED IN RESPECTIVE ADVT. / INTERVIEW LETTER.

8. फाइलों पर शीर्षक मात्र अंग्रेजी में न लिखें ।

   SUBJECT / TITLE ON FILES SHOULD NOT BE WRITTEN IN ENGLISH ONLY.

9. सभी बठैकों के कार्यवृत्त मात्र अंग्रेजी में जारी न करें ।

   MINUTES OF MEETINGS SHOULD NOT BE ISSUED IN ENGLISH ONLY.

10. कोड, मनुैअल और अन्य प्रक्रिया संबंधित साहित्य मात्र अंग्रेजी में तैयार न करें ।

    CODES, MANUALS AND OTHER PROCEDURAL LITERATURE SHOULD NOT BE PREPARED IN ENGLISH ONLY.

- राजभाषा नियम 1976 (यथा संशोधित 1987) के नियम 12 के अधीन राजभाषा नीति के अनुपालन का उत्तरदायित्व प्रशासनिक प्रधान / कार्यालय प्रमुख का होगा ।
- भारत सरकार गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग नई दिल्ली द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करें । ◆

सबको करती एक समान,
हिंदी भाषा बड़ी महान।

बिन हिंदी बर्बादी है,
हिंदी ही हमारी आजादी हैं।

फेक्ट ने नई उच्च क्षमता वाली अमोनिया कार्गो पोत लॉन्च की

फेक्ट के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री किशोर रुंग्टा ने 28/11/2022 को फेक्ट के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में अमोनिया से लदे 'पर्ल ऑफ पेरियार' नाम के नए फेक्ट अमोनिया बार्ज के परिवहन को झंडी दिखाकर रवाना किया। नए अमोनिया बार्ज में 350 मी टन तरलीकृत अमोनिया ले जाने की क्षमता है। कार्गो पोत के लिए अमोनिया पाइपिंग और इंस्ट्रूमेंटेशन सिस्टम, अमोनिया बुलेट्स को मैसर्स एफ ई डी ओ और मेसर्स एफ ई डब्ल्यू द्वारा डिजाइन और निर्मित किया गया है। पोत का निर्माण ए सी रॉय एंड सी ओ, कोलकाता द्वारा किया गया है। जहाज की वर्गीकरण एजेंसी मैसर्स इंडियन रजिस्टर ऑफ शिपिंग है। जहाज प्रौद्योगिकी विभाग, सी यू एस ए टी बार्ज के लिए डिजाइन परामर्शदाता है। जहाज की लंबाई 52 मीटर, चौड़ाई 10.5 मीटर और खाली पोत का कुल वजन 413 मी टन है। यह फेक्ट के स्वामित्व वाला दूसरा बार्ज है, फेक्ट के स्वामित्व वाला पहला अमोनिया बार्ज 'प्रगाथ्यान' है। दोनों बार्जों का उपयोग उर्वरक के उत्पादन के लिए उद्योगमंडल या डब्ल्यू. आईलैंड से एफ ए सी टी - सी डी तक अमोनिया के परिवहन के लिए किया जा सकता है। फेक्ट के नए अमोनिया बार्ज 'पर्ल ऑफ पेरियार' का नाम अमोनिया प्लांट में कार्यरत इंजीनियर (उत्पादन) श्री गिरीश कुमार वी एस द्वारा रखा गया था। ◆

अमोनिया बार्ज 'पर्ल ऑफ पेरियार' का एक दृश्य

भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भाषाएं

1. असमिया
2. उड़िया
3. उर्दू
4. कन्नड़
5. कश्मीरी
6. कोंकणी
7. गुजराती
8. डोगरी
9. तमिल
10. तेलुगू
11. नेपाली
12. पंजाबी
13. बांग्ला
14. बोड़ो
15. मणिपुरी
16. मराठी
17. मलयालम
18. मैथिली
19. संथाली
20. संस्कृत
21. सिंधी
22. हिंदी

फेक्ट कोचीन संभाग में नए 1650 एमटीपीडी एनपीके संयंत्र का निर्माण

15-07-2022 को एनपीके प्लांट का भूमि पूजन किया गया। कार्य का ईपीसी ठेकेदार मैसर्स नूबर्ग इंजीनियरिंग लिमिटेड है। संयंत्र का प्रोसेस लाइसेंसर मेसर्स इंक्रो-स्पेन है।

डे टैंक फाउंडेशन

आई टी भवन

फैक्ट कोचिन डिवीजन में दो सल्फ्यूरिक एसिड स्टोरेज का निर्माण

एफईडीओ की देखरेख में संबंधित एजेंसी द्वारा नींव के पूरा होने के बाद एसए टैंकों का निर्माण और संबंधित पाइपिंग कार्य एफईडब्ल्यू द्वारा शुरू किया गया और फरवरी 23 के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है। टैंकों की पेंटिंग और कैलिब्रेशन भी किया जा रहा है।

फेडो द्वारा फैक्ट कोचीन डिवीजन पीएमसी में 10,000 मीट्रिक टन अमोनिया भंडारण टैंक का निर्माण

24-06-2022 को **10,000** मीट्रिक टन अमोनिया टैंक का भूमि पूजन किया गया। काम का ईपीसी ठेकेदार टोयो इंजीनियरिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड है

अमोनिया टैंक फाउंडेशन

अमोनिया टैंक फाउंडेशन की कंक्रीटिंग का काम पूरा हो चुका है। प्लेट मार्किंग, रूफ प्लेट के लिए कटिंग और ग्राइंडिंग, सस्पेंडेड डेक, रूफ राफ्टर, कम्प्रेशन रिंग और ड्रम रिंग्स, शेल कोर्स प्रगति पर हैं।

असंभव कुछ भी नहीं

यह एक मुहावरा है जो सभी मनुष्य अपनी जिंदगी में एक बार कहते हैं। पर इंसान के लिए असंभव नाम की चीज नहीं है। यह वाक्य जितनी मुश्किल लग रही है, उतनी है नही क्योंकि दुनिया में कुच भी मानुमकिन नही है। हर सपने पहले असंभव ही लगते है पर जिसमें इच्छाशक्ति हो उसके लिए कुछ भी असंभव नही है। इंसान कुछ भी कर सकता है, बस चाहत के साथ मेहनत भी चाहिए।

किसी ने सही कहा है — जितना कठिन संघर्ष होगा, जीत उतनी ही शानदार होगी। जो हम सोच सकते है, वह हम भी कर सकते है। और जो आज तक नहीं हुआ, उसे भी कर सकते हैं। सिर्फ धैर्य, संकल्प और आत्मविश्वास की जरूरत है।

एक शायर ने खूब कहा है- गलतियाँ तो वह लोग करते हैं जो कुछ करते हैं। हाथ पर हाथ रखकर बैठने वाले कुछ भी गलत नहीं करते। कुछ भी नहीं होगा तो अनुभव तो जरूर होगा। सफलता की पहली शर्त - आत्मविश्वास है। असंभव को संभव बनाने के लिए बडी सोच, बडा लक्ष्य और अच्छी योजना अनिवार्य है। जिस व्यक्ति का आत्मविश्वास दृढ होता है, वह कठिन से कठिन काम को भी पूरी कर सकता है। अपने पर विश्वास न होना कई कार्यों को पूरा न कर पाने का कारण बन जाती है।

इस पर मेरी कुछ पंक्तियाँ इस प्रकार है-

"जिंदगी में थोडा सा दुख आया जो हम अटक जाते हैं, और थोडा सा सुख मिल आया तो हम भटक जाते हैं,पर जो हो गया, उसके लिए रोया मत करो, और जो मिल गया उसे कभी खोया मत करो, सब कुछ फूटने के बाद भी, खुद को टूटने मत देना क्योंकि असंभव को संभव बनाने वाली ताकत अपने ही अंदर है और वही ताकत हमारी तक-दीर का सिकंदर है।"

डॉ रेखा श्री
वरिष्ठ प्रबंधक
(आर एवं डी)

सर्वश्रेष्ठ कंपनी पुरस्कार 2022

श्री किशोर रुंग्टा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक (पी सी), श्री आर मणिकुट्टन के साथ एफ ए सी टी के लिए भारत की सर्वश्रेष्ठ कंपनी पुरस्कार 2022 प्राप्त करते हुए।

हमारी कुलुकुमलाई, मुन्नार की यात्रा

केरल में स्थित मुन्नार, जो प्राकृतिक सौंदर्य के लिए जाना जाता है। यह शहर केरल राज्य में तमिलनाडु के बोर्डर पर स्थित है। यहाँ घूमने के लिए देशभर से लोग आते है और प्रकृति का आनंद लेते हैं। वहाँ की सुंदरता किसी को भी मोह लेता है। कार्यालयी छुट्टी के दौरान हमनें भी मुन्नार जाने की योजना बनाई और अपने परिवार और मित्र के साथ कुलुकुमलाई की यात्रा की। यह मुन्नार के उत्तरी छोर पर स्थित एक सुंदर घाटी है। हमनें वहां पहाड के उपर टेंट लेकर एक रात गुजारी। वह अनुभव हमारे लिए अद्भुत था। रात्री के दौरान ठंडी ठंडी हवा और खुले आकाश के निचे सोना, सचमुच किसी जन्नत से कम नहीं लग रहा था। उसदिन हमने यह अनुभव किया कि क्यों लोग केरल को भगवान का अपना देश बोला जाता है। कभी भी मौका मिले तो आपसब भी एकबार जरूर वहां की यात्रा करें।

मुकेश पड्डी,
सहायक प्रबंधक (भंडार)

नेमी कार्यालय टिप्पणियाँ / ROUTINE OFFICE NOTES

Action may be taken as proposed	यथा प्रस्तावित कार्रवाई की जाए
All concerned should note	सभी संबंधित नोट करें
Beyond the said period	उक्त अवधि के बाद
By virtue of	के नाते, की हैसियत से
Come into force	लागू होना
Comply with	अनुपालन करना, पालन करना
Copy enclosed	प्रतिलिपि संलग्न है
Deduction at source	स्त्रोत पर कटौती
Do the needful	आवश्यक कार्रवाई करें
Draft for approval	अनुमोदन के लिए मसौदा
In compliance with	का पालन करते हुए
In good faith	सामान्य रूप से
Charge handed over	कार्यभार सौंप दिया
Case for disposal	निपटान के लिए मामले
Advice awaited	सलाह की प्रतीक्षा है
After perusal	देख लेने के बाद
On behalf of	की ओर से
May be filed	फाइल कर दिया जाए
In the presence of	के समक्ष
In addition to	के अतिरिक्त
As above	जैसा ऊपर दिया है
Bring into notice	ध्यान में लाना
Collection of arrear	बकाया वसुली
Consequent upon	के परिणामस्वरूप
Follow up action	अनुवर्ती कार्रवाई
nota bene (NB)	ध्यान दें, टिप्पणी
With immediate effect	तत्काल से
After discussion	विचार-विमर्श के बाद
This may pl. be treated as top priority	कृपया इस मामले को परम अग्रता दें

श्री वी मुरलीधरन, विदेश और संसदीय मामलों के राज्य मंत्री, भारत सरकार ने 12.8.2022 को एफ ए सी टी का दौरा किया। फेक्ट के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री किशोर रूंगटा ने उनका स्वागत किया। माननीय मंत्री ने कंपनी के पेट्रो संयंत्रों का दौरा किया और प्रबंधन, अधिकारियों के मंचों और कंपनी के ट्रेड यूनियनों के साथ बैठकें कीं।

अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, श्री किशोर रूंग टा ने श्री अरुण सिंघल आइ ए एस, सचिव उर्वरक, भारत सरकार से मुलाकात की।

FACT

प्रगति के पथप्रदर्शक
PIONEERS IN PROGRESS

75

आज़ादी का अमृत महोत्सव

दि फर्टिलाइज़र्स एण्ड केमिकल्स ट्रावनकोर लिमिटेड
THE FERTILISERS AND CHEMICALS TRAVANCORE LIMITED
(भारत सरकार का उद्यम) / (A Government of India Enterprise)
पंजीकृत कार्यालय: एलूर, उद्योगमंडल - 683 501, कोच्ची, केरल, भारत
Regd. Office: Eloor, Udyogamandal - 683 501, Kochi, Kerala, India.
वेबसाइट / Website: www.fact.co.in सी आइ एन / I24129 KI1943GOI 000371